राष्ट्रीय आय का लेखांकन

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» अंतिम वस्तुएँ और मध्यवर्ती वस्तुएँ

प्रश्न 1 (आसान). एक किसान द्वारा बीज खरीदना क्या है? (अंतिम / मध्यवर्ती)

उत्तर – मध्यवर्ती वस्तु

प्रश्न 2 (आसान). तुम्हारे घर के लिए खरीदी गई दाल क्या है? (अंतिम / मध्यवर्ती)

उत्तर – अंतिम वस्तु

प्रश्न 3 (मध्यम). एक कपड़े की दुकान द्वारा खरीदी गई सूती कपड़े की गांठें क्या हैं? और अगर तुम वही सूती कपड़ा अपने घर के पर्दे बनाने के लिए खरीदते हो तो क्या होगा?

उत्तर – कपड़े की दुकान के लिए मध्यवर्ती वस्तु (आगे बेचने या सिलाई के लिए)। तुम्हारे घर के लिए अंतिम वस्तु (सीधा उपभोग)।

प्रश्न 4 (कठिन). एक टैक्सी कंपनी द्वारा खरीदी गई नई कार 'अंतिम वस्तु' क्यों मानी जाएगी, जबकि वह उससे पैसे कमा रही है?

उत्तर – टैक्सी कंपनी के लिए कार 'अंतिम वस्तु' है क्योंकि यह 'पूंजीगत वस्तु' (capital good) है। यह उत्पादन प्रक्रिया में इस्तेमाल होती है, लेकिन इसका स्वरूप नहीं बदलता और यह कई सालों तक सेवा देती है। यह एक तरह का 'निवेश' है जो कंपनी की उत्पादन क्षमता बढ़ाता है। अतः यह भी 'final good' की ही एक श्रेणी है।

» उपभोग वस्तुएँ, पूंजीगत वस्तुएँ और टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएँ

प्रश्न 5 (आसान). जो बिस्किट आप खाते हैं, वह कौन सी वस्तु है?

उत्तर – उपभोग वस्तु (गैर-टिकाऊ)

प्रश्न 6 (आसान). एक दर्जी की सिलाई मशीन कौन सी वस्तु है?

उत्तर – पूंजीगत वस्तु

प्रश्न 7 (मध्यम). आपके घर का रेफ्रिजरेटर कौन सी वस्तु है?

उत्तर – टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु

प्रश्न 8 (कठिन). एक बेकरी में इस्तेमाल होने वाला बड़ा ओवन किस प्रकार की वस्तु है?

उत्तर – पूंजीगत वस्तु

» स्टॉक और प्रवाह की संकल्पना

प्रश्न 9 (आसान). निम्नलिखित में से कौन स्टॉक का उदाहरण है: देश की जनसंख्या या एक महीने में जन्म लेने वाले बच्चे?

उत्तर – देश की जनसंख्या

प्रश्न 10 (आसान). एक कारखाने में 'इस समय' मौजूद मशीनें क्या हैं? स्टॉक या प्रवाह?

उत्तर – स्टॉक

प्रश्न 11 (मध्यम). बताओ, 'प्रति घंटे ट्रेन से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या' क्या है? स्टॉक या प्रवाह?
उत्तर – प्रवाह

प्रश्न 12 (कठिन). किसी देश का 'राष्ट्रीय ऋण' (National Debt) और 'सरकारी व्यय' (Government Expenditure) में से कौन स्टॉक है और कौन प्रवाह है? कारण सहित समझाओ।
उत्तर – राष्ट्रीय ऋण एक 'स्टॉक' है क्योंकि यह किसी निश्चित तिथि पर देश पर कुल उधार की मात्रा बताता है। सरकारी व्यय एक 'प्रवाह' है क्योंकि यह एक वित्तीय वर्ष या किसी निश्चित अवधि में सरकार द्वारा खर्च की गई राशि को दर्शाता है।

» सकल निवेश, निवल निवेश और मूल्यह्रास

प्रश्न 13 (आसान). अगर एक बेकरी ने 50,000 रुपये का नया ओवन खरीदा और उसका मूल्यह्रास 5,000 रुपये है, तो उसका सकल निवेश कितना है?
उत्तर – 50,000 रुपये

प्रश्न 14 (आसान). ऊपर वाले उदाहरण में, बेकरी का निवल निवेश कितना होगा?
उत्तर – 45,000 रुपये

प्रश्न 15 (मध्यम). एक ट्रांसपोर्ट कंपनी ने 20 लाख रुपये की नई बसें खरीदीं। यदि उनका मूल्यह्रास 2 लाख रुपये था, तो कंपनी का निवल निवेश क्या था और इसका क्या अर्थ है?
उत्तर – निवल निवेश 18 लाख रुपये था। इसका अर्थ है कि कंपनी ने 18 लाख रुपये की नई पूंजी संपत्ति (bus) अपनी मौजूदा पूंजी में जोड़ी है, मूल्यह्रास को घटाने के बाद।

प्रश्न 16 (कठिन). किसी अर्थव्यवस्था का सकल निवेश 500 करोड़ रुपये है और मूल्यह्रास दर पूंजीगत स्टॉक का 10% है। यदि कुल पूंजीगत स्टॉक 3000 करोड़ रुपये है, तो निवल निवेश की गणना करें।
उत्तर – सबसे पहले, मूल्यह्रास की गणना करें: 3000 करोड़ का 10% = 300 करोड़ रुपये। फिर, निवल निवेश = सकल निवेश - मूल्यह्रास = 500 करोड़ - 300 करोड़ = 200 करोड़ रुपये।

» आय का वर्तुल प्रवाह (सरल अर्थव्यवस्था)

प्रश्न 17 (आसान). आय के वर्तुल प्रवाह में मुख्य 'sectors' कौन से हैं?
उत्तर – परिवार (Households) और फर्में (Firms)

प्रश्न 18 (आसान). फर्म परिवार को 'factor services' के बदले क्या देती हैं?
उत्तर – कारक भुगतान (Factor payments) - किराया, मजदूरी, ब्याज, लाभ।

प्रश्न 19 (मध्यम). उदाहरण देकर समझाओ कि कैसे परिवार फर्मों को 'factor services' देते हैं।
उत्तर – परिवार अपने घर को किराए पर दे सकते हैं (भूमि), अपने सदस्यों को नौकरी पर भेज सकते हैं (श्रम), अपनी बचत को निवेश कर सकते हैं (पूंजी), या अपना व्यवसाय चला सकते हैं (उद्यमिता)।

प्रश्न 20 (कठिन). आय के वर्तुल प्रवाह में 'real flow' और 'money flow' में क्या अंतर है?
उत्तर – 'Real flow' वस्तुओं और सेवाओं और कारक सेवाओं का भौतिक प्रवाह है (जैसे श्रम देना और सामान मिलना)। 'Money flow' पैसे का प्रवाह है (जैसे वेतन मिलना और पैसे देना)।

» राष्ट्रीय आय गणना की विधियों का अवलोकन

प्रश्न 21 (आसान). राष्ट्रीय आय गणना की मुख्य कितनी विधियाँ हैं?
उत्तर – तीन विधियाँ हैं।

प्रश्न 22 (आसान). क्या तीनों विधियों से राष्ट्रीय आय का परिणाम समान आता है?
उत्तर – हाँ, तीनों विधियों से परिणाम समान आता है।

प्रश्न 23 (मध्यम). किस विधि में देश में उत्पादित 'final goods and services' का कुल मूल्य मापा जाता है?
उत्तर – 'Product Method' (उत्पाद विधि) में।

प्रश्न 24 (कठिन). राष्ट्रीय आय की गणना में 'Intermediate Goods' (मध्यवर्ती वस्तुओं) को क्यों शामिल नहीं किया जाता है?
उत्तर – 'Double Counting' (दोहरी गणना) से बचने के लिए 'Intermediate Goods' को शामिल नहीं किया जाता, सिर्फ 'Final Goods and Services' ही गनिी जाती हैं।

» उत्पाद अथवा मूल्यवर्धित विधि

प्रश्न 25 (आसान). एक लकड़ी का व्यापारी ₹2000 की लकड़ी खरीदकर ₹3500 में बेचता है। उसका मूल्यवर्धन कितना है?
उत्तर – ₹1500

प्रश्न 26 (आसान). अगर एक मोची ₹50 के पुराने जूते की मरम्मत करके उसे ₹120 में बेचता है, तो उसका मूल्यवर्धन कितना होगा?
उत्तर – ₹70 (मान लें कि मरम्मत का कच्चा माल नगण्य है)

प्रश्न 27 (मध्यम). एक किसान ने ₹5000 का कपास उगाया। उसने ₹2000 का कपास एक धागा बनाने वाली फैक्ट्री को बेचा, जिसने उससे ₹6000 का धागा बनाया। धागा बनाने वाली फैक्ट्री का मूल्यवर्धन कितना है?
उत्तर – ₹4000 (₹6000 - ₹2000)

प्रश्न 28 (कठिन). एक बेकरी ₹10,000 के आटे, चीनी और मक्खन का उपयोग करके ₹25,000 की ब्रेड और केक बनाती है। बेकरी में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों का मूल्यह्रास (depreciation) ₹2000 है। बेकरी का सकल मूल्यवर्धन (Gross Value Added) और नविल मूल्यवर्धन (Net Value Added) ज्ञात करें।
उत्तर – सकल मूल्यवर्धन = ₹25,000 - ₹10,000 = ₹15,000; निवल मूल्यवर्धन = ₹15,000 - ₹2000 = ₹13,000

» माल-सूची में परिवर्तन (नियोजित और अनियोजित)

प्रश्न 29 (आसान). अगर एक बेकरी 50 केक बनाती है और 45 बेचती है, तो माल-सूची में कितना परिवर्तन हुआ?
उत्तर – 5 केक का संचय।

प्रश्न 30 (आसान). क्या 'कच्चा माल' माल-सूची का हिस्सा होता है?
उत्तर – हाँ, होता है।

प्रश्न 31 (मध्यम). एक जूते बनाने वाली कंपनी साल के शुरू में 100 जूते स्टॉक में रखती है। वह 500 जूते बनाती है और 550 बेचती है। माल-सूची में कितना परिवर्तन हुआ? क्या यह संचय है या अपसंचय?
उत्तर – साल के अंत में स्टॉक = 100 (पुराने) + 500 (बनाए) - 550 (बेचे) = 50 जूते। परिवर्तन = 50 - 100 = -50 जूते। यह 50 जूतों का 'अपसंचय' है।

प्रश्न 32 (कठिन). एक मोबाइल कंपनी ने साल के शुरुआत में 500 मोबाइल स्टॉक में रखे थे। उन्होंने 2000 मोबाइल बनाए और सोचा था कि साल के अंत में 600 मोबाइल स्टॉक में रखेंगे। लेकिन अप्रत्याशित रूप से बिक्री बहुत बढ़ गई और उन्होंने 2200 मोबाइल बेच दिए। नियोजित और अनियोजित माल-सूची परिवर्तन की गणना करें।
उत्तर – वास्तविक माल-सूची परिवर्तन = उत्पादन (2000) - बिक्री (2200) = -200 मोबाइल (अपसंचय)। साल के अंत में वास्तविक स्टॉक = 500 (शुरुआती) - 200 (वास्तविक परिवर्तन) = 300 मोबाइल। नियोजित माल-सूची परिवर्तन = नियोजित अंतिम स्टॉक (600) - शुरुआती स्टॉक (500) = 100 मोबाइल (संचय)। अनियोजित माल-सूची परिवर्तन = वास्तविक अंतिम स्टॉक (300) - नियोजित अंतिम स्टॉक (600) = -300 मोबाइल (अपसंचय)।

» व्यय विधि

प्रश्न 33 (आसान). व्यय विधि में GDP की गणना के लिए कितने मुख्य घटकों को जोड़ा जाता है?
उत्तर – चार

प्रश्न 34 (आसान). C का क्या अर्थ है?
उत्तर – निजी अंतिम उपभोग व्यय

प्रश्न 35 (मध्यम). अगर निर्यात 200 करोड़ और आयात 80 करोड़ है, तो शुद्ध निर्यात कितना होगा?
उत्तर – 120 करोड़ रुपये

प्रश्न 36 (कठिन). व्यय विधि से GDP निकालते समय, मध्यवर्ती वस्तुओं पर किए गए खर्च को क्यों नहीं जोड़ा जाता?
उत्तर – क्योंकि मध्यवर्ती वस्तुएँ अंतिम उपभोग के लिए नहीं होतीं, और उन्हें जोड़ने से दोहरी गणना (double counting) हो जाएगी।

» आय विधि

प्रश्न 37 (आसान). आय विधि द्वारा GDP की गणना में किन चार मुख्य आय घटकों को जोड़ा जाता है?
उत्तर – मजदूरी/वेतन, लगान, ब्याज, लाभ।

प्रश्न 38 (आसान). अगर मजदूरी 300, लगान 50, ब्याज 40 और लाभ 100 है, तो कुल कारक आय कितनी होगी?
उत्तर – 490

प्रश्न 39 (मध्यम). यदि मजदूरी 600, लगान 120, ब्याज 90, लाभ 180, मूल्यह्रास 25 और निवल अप्रत्यक्ष कर 35 है, तो आय विधि से GDP की गणना करें।
उत्तर – GDP = 600 + 120 + 90 + 180 + 25 + 35 = 1050

प्रश्न 40 (कठिन). एक अर्थव्यवस्था में कारक लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP at factor cost) 1200 करोड़ रुपये है। यदि मूल्यह्रास 50 करोड़ रुपये और अप्रत्यक्ष कर 80 करोड़ रुपये हैं, लेकिन सब्सिडी 20 करोड़ रुपये है, तो आय विधि से सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की गणना करें।
उत्तर – निवल अप्रत्यक्ष कर = अप्रत्यक्ष कर - सब्सिडी = 80 - 20 = 60 करोड़ रुपये। GDP = NDP at factor cost + मूल्यह्रास + निवल अप्रत्यक्ष कर = 1200 + 50 + 60 = 1310 करोड़ रुपये।

» साधन लागत, आधार कीमतें और बाजार कीमतें

प्रश्न 41 (आसान). साधन लागत पर सकल मूल्य वृद्धि (GVA) में शुद्ध उत्पादन कर जोड़ने पर हमें क्या मिलता है?
उत्तर – आधार कीमतों पर सकल मूल्य वृद्धि (GVA at Basic Prices)

प्रश्न 42 (आसान). बाजार कीमत (MP) और आधार कीमत (BP) के बीच का अंतर कौन से कर और उपदान होते हैं?
उत्तर – शुद्ध उत्पाद कर (Net Product Taxes)

प्रश्न 43 (मध्यम). अगर किसी उत्पाद की आधार कीमत 700 रुपये है, उत्पाद कर 100 रुपये है और उत्पाद उपदान 30 रुपये है, तो उसकी बाजार कीमत क्या होगी?
उत्तर – 700 + (100 - 30) = 700 + 70 = 770 रुपये

प्रश्न 44 (कठिन). यदि बाजार कीमत पर GDP 1000 करोड़ रुपये है, शुद्ध उत्पाद कर 150 करोड़ रुपये है, और शुद्ध उत्पादन कर 80 करोड़ रुपये है, तो साधन लागत पर GDP (या GVA) क्या होगी?
उत्तर – पहले BP पर GDP निकालें: 1000 - 150 = 850 करोड़ रुपये। फिर FC पर GDP निकालें: 850 - 80 = 770 करोड़ रुपये।

» सकल घरेलू उत्पाद (GDP) और सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP)

प्रश्न 45 (आसान). यदि किसी देश की GDP ₹500 करोड़ है और विदेशों से प्राप्त निवल कारक आय ₹50 करोड़ है, तो GNP क्या होगी?
उत्तर – GNP = ₹550 करोड़

प्रश्न 46 (आसान). यदि विदेशी भारत में ₹100 करोड़ कमाते हैं और भारतीय विदेश में ₹120 करोड़ कमाते हैं, तो NFIA कितनी होगी?
उत्तर – NFIA = ₹20 करोड़

प्रश्न 47 (मध्यम). एक देश की GDP ₹8000 करोड़ है। उसके निवासियों ने विदेश में ₹500 करोड़ कमाए, जबकि विदेशियों ने देश के भीतर ₹700 करोड़ कमाए। इस देश का GNP क्या होगा?
उत्तर – पहले NFIA निकालें: ₹500 - ₹700 = -₹200 करोड़। अब, GNP = GDP + NFIA = ₹8000 + (-₹200) = ₹7800 करोड़।

प्रश्न 48 (कठिन). यदि किसी देश का GNP ₹1200 करोड़ है और विदेशों से प्राप्त निवल कारक आय ₹-100 करोड़ (ऋणात्मक) है, तो उस देश की GDP क्या होगी?
उत्तर – हमें पता है GNP = GDP + NFIA, तो GDP = GNP - NFIA। GDP = ₹1200 - (-₹100) = ₹1200 + ₹100 = ₹1300 करोड़।

» निवल राष्ट्रीय उत्पाद (NNP) और राष्ट्रीय आय (NI)

प्रश्न 49 (आसान). GNP ₹5000 करोड़ और मूल्यह्रास ₹200 करोड़ है, तो NNP क्या होगा?
उत्तर – NNP = ₹4800 करोड़

प्रश्न 50 (आसान). यदि NNP ₹7000 करोड़ है और निवल अप्रत्यक्ष कर ₹300 करोड़ है, तो राष्ट्रीय आय (NI) क्या होगी?
उत्तर – NI = ₹6700 करोड़

प्रश्न 51 (मध्यम). GNP ₹12,000 करोड़ है, मूल्यह्रास ₹700 करोड़ है। अप्रत्यक्ष कर ₹600 करोड़ हैं और उपदान ₹100 करोड़ हैं। NNP और NI ज्ञात करें।
उत्तर – NNP = ₹11,300 करोड़, NI = ₹10,800 करोड़

प्रश्न 52 (कठिन). किसी देश की GDP ₹15,000 करोड़ है, विदेशों से प्राप्त निवल कारक आय ₹500 करोड़ है, मूल्यह्रास ₹800 करोड़ है, अप्रत्यक्ष कर ₹1000 करोड़ हैं और उपदान ₹400 करोड़ हैं। राष्ट्रीय आय (NI) की गणना करें।
उत्तर – NI = ₹13,700 करोड़

» वैयक्तिक आय और वैयक्तिक प्रयोज्य आय

प्रश्न 53 (आसान). अगर मेरी सैलरी ₹50,000 है और उसमें से ₹5,000 टैक्स कटता है, तो मेरी वैयक्तिक प्रयोज्य आय कितनी है?
उत्तर – ₹45,000

प्रश्न 54 (आसान). क्या निगम कर (Corporation Tax) वैयक्तिक आय का हिस्सा होता है?
उत्तर – नहीं, निगम कर घटाया जाता है।

प्रश्न 55 (मध्यम). राष्ट्रीय आय ₹20,000 करोड़ है। अवितरित लाभ ₹1000 करोड़, निगम कर ₹700 करोड़, निवल ब्याज अदायगी ₹400 करोड़, और अंतरण अदायगी ₹800 करोड़ है। वैयक्तिक आय ज्ञात करें।
उत्तर – ₹18,700 करोड़

प्रश्न 56 (कठिन). वैयक्तिक आय ₹15,000 करोड़ है। वैयक्तिक कर अदायगी ₹1200 करोड़ और गैर-कर अदायगी ₹300 करोड़ है। परिवारों द्वारा कुल उपभोग (Consumption) ₹12,000 करोड़ है। बचत (Savings) कितनी होगी?
उत्तर – PDI = 15,000 - 1200 - 300 = 13,500 करोड़। बचत = PDI - उपभोग = 13,500 - 12,000 = ₹1,500 करोड़।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. नीचे दी गई वस्तुओं को 'अंतिम वस्तु' और 'मध्यवर्ती वस्तु' में वर्गीकृत करें और कारण भी बताएं: 1. एक कार निर्माता द्वारा खरीदे गए टायर, 2. एक परिवार द्वारा खरीदा गया टेलीविजन सेट, 3. एक बेकरी द्वारा खरीदा गया मैदा, 4. एक स्कूल द्वारा खरीदा गया कंप्यूटर।

› पहला, 'एक कार निर्माता द्वारा खरीदे गए टायर' - देखो, कार निर्माता इन टायरों को अपनी कार में लगाएगा और फिर कार बेचेगा। तो यहाँ टायर 'उत्पादन प्रक्रिया में प्रयोग' हो रहे हैं। इसका मतलब है, यह एक 'मध्यवर्ती वस्तु' है।

› दूसरा, 'एक परिवार द्वारा खरीदा गया टेलीविजन सेट' - परिवार इसे सीधा अपने मनोरंजन के लिए इस्तेमाल करेगा, इसे आगे किसी और चीज़ में नहीं बदलेगा। तो, यह 'अंतिम उपभोग' के लिए है, इसलिए यह एक 'अंतिम वस्तु' है।

› तीसरा, 'एक बेकरी द्वारा खरीदा गया मैदा' - बेकरी मैदा से बिस्कुट, केक या ब्रेड बनाएगी और फिर बेचेगी। यह 'अन्य वस्तुओं के उत्पादन' में इस्तेमाल हो रहा है। तो, यह 'मध्यवर्ती वस्तु' है।

› चौथा, 'एक स्कूल द्वारा खरीदा गया कंप्यूटर' - स्कूल इन कंप्यूटरों का उपयोग बच्चों को पढ़ाने, प्रशासनिक काम करने के लिए करेगा, न कि उन्हें आगे बेचकर कमाई करने के लिए। ये 'अंतिम उपभोग' के लिए हैं (उत्पादक के निवेश के रूप में)। इसलिए, यह एक 'अंतिम वस्तु' है।

› बस एक बात याद रखना, राष्ट्रीय आय की गणना करते समय हम केवल अंतिम वस्तुओं का मूल्य जोड़ते हैं, ताकि 'double counting' न हो। अगर हम मध्यवर्ती वस्तुओं को भी जोड़ेंगे तो हम एक ही चीज़ का मूल्य बार-बार गनि लेंगे। सोचो, अगर हमने मैदे का दाम भी जोड़ा और फिर बेकरी के बिस्कुट का दाम भी, तो मैदा तो बिस्कुट के दाम में पहले से ही शामिल है ना! तो ऐसे में 'राष्ट्रीय आय' बहुत ज़्यादा दिखाएगा जो कि गलत होगा।

उत्तर – 1. कार निर्माता द्वारा खरीदे गए टायर: मध्यवर्ती वस्तु (उत्पादन में प्रयुक्त)। 2. परिवार द्वारा खरीदा गया टेलीविजन सेट: अंतिम वस्तु (सीधा उपभोग)। 3. बेकरी द्वारा खरीदा गया मैदा: मध्यवर्ती वस्तु (अन्य वस्तु के उत्पादन में प्रयुक्त)। 4. स्कूल द्वारा खरीदा गया कंप्यूटर: अंतिम वस्तु (उत्पादक के निवेश के रूप में)।

उदाहरण 2. आपके स्कूल में इस्तेमाल होने वाली इन चीज़ों को पहचानिए और बताइए कि वे किस श्रेणी की वस्तु हैं: 1. किताबें और नोटबुक जो छात्र इस्तेमाल करते हैं। 2. स्कूल की बस। 3. स्कूल कैंटीन में बिकने वाली कोल्ड ड्रिंक।

› पहले हम देखेंगे 'किताबें और नोटबुक'. बच्चे इन्हें सीधे अपने पढ़ने के लिए इस्तेमाल करते हैं, ये तुरंत खत्म नहीं होतीं, और इन्हें आगे किसी और चीज़ के उत्पादन में नहीं लगाया जाता। तो ये 'उपभोग वस्तुएँ' हैं, specifically 'गैर-टिकाऊ' क्योंकि एक साल में नई लेनी पड़ती हैं।

› अब 'स्कूल की बस'. यह स्कूल बच्चों को लाने-ले जाने की सेवा देने के लिए इस्तेमाल करता है। यह टिकाऊ है और 'सेवा के उत्पादन' में सहायक है। तो यह एक 'पूंजीगत वस्तु' है।

› आखिर में, 'स्कूल कैंटीन की कोल्ड ड्रिंक'. बच्चे इसे पीकर सीधे इसका उपभोग करते हैं। यह तुरंत खत्म हो जाती है और टिकाऊ नहीं है। तो यह 'उपभोग वस्तु' है, और 'गैर-टिकाऊ' श्रेणी में आती है।

उत्तर – 1. किताबें और नोटबुक: उपभोग वस्तुएँ (गैर-टिकाऊ) 2. स्कूल की बस: पूंजीगत वस्तु 3. स्कूल कैंटीन की कोल्ड ड्रिंक: उपभोग वस्तु (गैर-टिकाऊ)

उदाहरण 3. पहचानिए कि राष्ट्रीय आय, पूंजी, और बैंक में जमा धन में से कौन स्टॉक है और कौन प्रवाह है?

› सबसे पहले, हम 'राष्ट्रीय आय' को देखते हैं। राष्ट्रीय आय हमेशा 'एक साल' के लिए मापी जाती है। तो, यह एक समय अवधि से जुड़ी है।

› अब, 'पूंजी' के बारे में सोचते हैं। 'पूंजी' का मतलब है फैक्ट्रियों में मशीनें, इमारतें, वगैरह। ये 'किसी निश्चित समय' पर मौजूद होती हैं, इन्हें किसी अवधि में नहीं मापा जाता।

› अंत में, 'बैंक में जमा धन'। यह भी आप 'अभी' बैंक अकाउंट खोलकर देख सकते हैं कि कितना पैसा है। यह भी 'किसी निश्चित समय' पर की गई माप है।

› तो, हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि राष्ट्रीय आय 'प्रवाह' है, जबकि पूंजी और बैंक में जमा धन 'स्टॉक' हैं।

उत्तर – राष्ट्रीय आय: प्रवाह; पूंजी: स्टॉक; बैंक में जमा धन: स्टॉक

उदाहरण 4. मान लीजिए एक फैक्ट्री ने साल 2023 में 10 लाख रुपये की नई मशीनें खरीदीं। इन मशीनों का वार्षिक मूल्यह्रास 1 लाख रुपये है। तो, उस साल फैक्ट्री का सकल निवेश और निवल निवेश कितना होगा?

› पहला कदम: 'सकल निवेश' की पहचान करें। यहां, फैक्ट्री ने नई मशीनें खरीदने पर कुल 10 लाख रुपये खर्च किए। तो 'सकल निवेश' = 10 लाख रुपये।

› दूसरा कदम: 'मूल्यह्रास' की पहचान करें। सवाल में दिया गया है कि वार्षिक 'मूल्यह्रास' = 1 लाख रुपये।

› तीसरा कदम: 'निवल निवेश' की गणना करें। 'निवल निवेश' = 'सकल निवेश' - 'मूल्यह्रास' सूत्र का उपयोग करें।

› गणना: निवल निवेश = 10 लाख रुपये - 1 लाख रुपये = 9 लाख रुपये।

उत्तर – फैक्ट्री का सकल निवेश 10 लाख रुपये और निवल निवेश 9 लाख रुपये होगा।

उदाहरण 5. एक सरल अर्थव्यवस्था में, परिवार और फर्मों के बीच आय के वर्तुल प्रवाह को समझाओ।

› सबसे पहले, 'Households' (परिवार) अपनी 'factor services' जैसे 'land' (भूमि), 'labour' (श्रम), 'capital' (पूंजी) और 'entrepreneurship' (उद्यमिता) 'Firms' (फर्मों) को देते हैं।

› फर्म इन 'factor services' का इस्तेमाल करके 'goods and services' (वस्तुएं और सेवाएं) बनाती हैं।

› इन 'factor services' के बदले में, फर्म परिवार को 'factor payments' (कारक भुगतान) करती हैं, जैसे 'rent' (किराया), 'wages' (मजदूरी), 'interest' (ब्याज) और 'profit' (लाभ)। यह 'income flow' है परिवार के लिए।

› अब परिवार अपनी इस 'income' (आय) का इस्तेमाल उन 'goods and services' को खरीदने के लिए करते हैं जो फर्मों ने बनाई हैं। इसे 'consumption expenditure' (उपभोग व्यय) कहते हैं।

› यह 'consumption expenditure' वापस फर्मों के पास 'revenue' (राजस्व) के रूप में आता है, जिससे वे फिर से 'factor services' खरीद पाती हैं और उत्पादन कर पाती हैं। इस तरह यह 'flow' चलता रहता है, एक चक्र में।

› इसका मतलब है कि एक तरफ 'real flow' है, जिसमें वस्तुएं और सेवाएं एक तरफ और कारक सेवाएं दूसरी तरफ जाती हैं। दूसरी तरफ 'money flow' है, जिसमें कारक भुगतान एक तरफ और उपभोग व्यय दूसरी तरफ जाता है।

उत्तर – आय का वर्तुल प्रवाह एक सरल अर्थव्यवस्था में परिवारों और फर्मों के बीच वस्तुओं, सेवाओं और पैसों का निरंतर आदान-प्रदान दर्शाता है, जहां परिवार अपनी सेवाएं फर्मों को देते हैं, बदले में आय पाते हैं, और उसी आय से फर्मों से वस्तुएं खरीदते हैं, जिससे फर्मों को राजस्व मिलता है और यह चक्र चलता रहता है।

उदाहरण 6. मान लीजिए एक काल्पनिक अर्थव्यवस्था में, एक वर्ष में 100 kg चावल (₹50/kg), 50 जोड़ी जूते (₹800/जोड़ी) और 200 लीटर दूध (₹40/लीटर) का उत्पादन हुआ। सभी उत्पादों की बिक्री हो गई। इस अर्थव्यवस्था की 'National Income' का 'Product Method' से अनुमान लगाइए।

› स्टेप 1: हर उत्पाद का कुल मूल्य निकालें।

› चावल का मूल्य = 100 kg × ₹50/kg = ₹5000

› जूतों का मूल्य = 50 जोड़ी × ₹800/जोड़ी = ₹40000

› दूध का मूल्य = 200 लीटर × ₹40/लीटर = ₹8000

› स्टेप 2: सभी उत्पादों के कुल मूल्य को जोड़ दें।

› कुल राष्ट्रीय आय = ₹5000 (चावल) + ₹40000 (जूते) + ₹8000 (दूध)

उत्तर – कुल राष्ट्रीय आय = ₹53000

उदाहरण 7. एक कार निर्माता ₹5,00,000 के टायर, स्टील और अन्य पार्ट्स खरीदता है। वह इन पार्ट्स का उपयोग करके ₹8,00,000 में एक कार बेचता है। इस कार निर्माता का मूल्यवर्धन ज्ञात करें।

› पहचानें कि 'अंतिम उत्पाद' क्या है: कार.

› पहचानें कि 'मध्यवर्ती वस्तुएँ' क्या हैं: टायर, स्टील, और अन्य पार्ट्स.

› कार का 'विक्रय मूल्य' (Sale Value) = ₹8,00,000.

› मध्यवर्ती वस्तुओं का 'क्रय मूल्य' (Purchase Value) = ₹5,00,000.

› मूल्यवर्धन की गणना करें: अंतिम उत्पाद का मूल्य - मध्यवर्ती वस्तुओं का मूल्य.

› ₹8,00,000 - ₹5,00,000 = ₹3,00,000.

उत्तर – कार निर्माता का मूल्यवर्धन ₹3,00,000 है।

उदाहरण 8. एक फर्म साल की शुरुआत में 200 रुपये का स्टॉक रखती है। साल भर में वह 1000 रुपये का सामान बनाती है और 900 रुपये का सामान बेचती है। उसने साल के अंत में 300 रुपये का स्टॉक रखने की योजना बनाई थी। माल-सूची में नियोजित और अनियोजित परिवर्तन ज्ञात करें।

› पहले कुल उत्पादन और कुल बिक्री से 'वास्तविक माल-सूची परिवर्तन' निकालो: उत्पादन (1000) - बिक्री (900) = 100 रुपये।

› साल के अंत में कुल स्टॉक (closing stock) = शुरुआत का स्टॉक (200) + वास्तविक माल-सूची परिवर्तन (100) = 300 रुपये।

› अब देखो कि 'नियोजित माल-सूची' (planned inventory) कितनी थी। फर्म ने साल के अंत में 300 रुपये का स्टॉक रखने की योजना बनाई थी।

› माल-सूची में 'नियोजित परिवर्तन' = नियोजित अंतिम स्टॉक (300) - शुरुआत का स्टॉक (200) = 100 रुपये।

› माल-सूची में 'अनियोजित परिवर्तन' = वास्तविक अंतिम स्टॉक (300) - नियोजित अंतिम स्टॉक (300) = 0 रुपये। इस मामले में, सब कुछ योजना के अनुसार हुआ, तो अनियोजित परिवर्तन शून्य है।

उत्तर – नियोजित माल-सूची परिवर्तन = 100 रुपये (संचय), अनियोजित माल-सूची परिवर्तन = 0 रुपये।

उदाहरण 9. एक देश में, निजी अंतिम उपभोग व्यय 1000 करोड़ रुपये है, सकल निवेश व्यय 300 करोड़ रुपये है, सरकारी अंतिम व्यय 400 करोड़ रुपये है, निर्यात 150 करोड़ रुपये है, और आयात 50 करोड़ रुपये है। व्यय विधि का उपयोग करके GDP की गणना करें।

› सबसे पहले, हम 'शुद्ध निर्यात' (Net Exports) निकालेंगे। शुद्ध निर्यात = निर्यात (X) - आयात (M) = 150 करोड़ - 50 करोड़ = 100 करोड़ रुपये।

› अब, 'व्यय विधि' का सूत्र लगाएंगे: GDP = C + I + G + (X - M)।

› सभी मानों को सूत्र में रखेंगे: GDP = 1000 करोड़ + 300 करोड़ + 400 करोड़ + 100 करोड़।

उत्तर – GDP = 1800 करोड़ रुपये।

उदाहरण 10. एक अर्थव्यवस्था में निम्नलिखित जानकारी दी गई है (करोड़ रुपये में): मजदूरी और वेतन = 500, लगान = 100, ब्याज = 80, लाभ = 150, मूल्यह्रास = 20, निवल अप्रत्यक्ष कर = 30। आय विधि द्वारा सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की गणना करें।

› सबसे पहले, सभी उत्पादन कारकों की आय जोड़ें: मजदूरी + लगान + ब्याज + लाभ।

› 500 (मजदूरी) + 100 (लगान) + 80 (ब्याज) + 150 (लाभ) = 830 करोड़ रुपये। यह NDP at factor cost है।

› अब, सकल घरेलू उत्पाद (GDP) तक पहुँचने के लिए इसमें मूल्यह्रास और निवल अप्रत्यक्ष कर जोड़ें।

› GDP = 830 (NDP at factor cost) + 20 (मूल्यहरास) + 30 (नविल अप्रत्यक्ष कर)।

› GDP = 880 करोड़ रुपये।

उत्तर – सकल घरेलू उत्पाद (GDP) = 880 करोड़ रुपये।

उदाहरण 11. यदि किसी वस्तु की साधन लागत 500 रुपये है, उत्पादन कर 50 रुपये, उत्पादन उपदान 20 रुपये, उत्पाद कर 80 रुपये और उत्पाद उपदान 10 रुपये है, तो उसकी आधार कीमत और बाजार कीमत क्या होगी?

› सबसे पहले, हम 'शुद्ध उत्पादन कर' निकालेंगे: उत्पादन कर - उत्पादन उपदान = 50 - 20 = 30 रुपये।

› अब, 'आधार कीमत' (BP) निकालेंगे: साधन लागत (FC) + शुद्ध उत्पादन कर = 500 + 30 = 530 रुपये।

› इसके बाद, हम 'शुद्ध उत्पाद कर' निकालेंगे: उत्पाद कर - उत्पाद उपदान = 80 - 10 = 70 रुपये।

› अंत में, 'बाजार कीमत' (MP) निकालेंगे: आधार कीमत (BP) + शुद्ध उत्पाद कर = 530 + 70 = 600 रुपये।

उत्तर – आधार कीमत = 530 रुपये, बाजार कीमत = 600 रुपये।

उदाहरण 12. मान लीजिए एक देश की GDP ₹1000 करोड़ है। यदि इस देश के निवासी विदेशों से ₹200 करोड़ कमाते हैं और विदेशी इस देश से ₹150 करोड़ कमाते हैं, तो GNP की गणना करें।

› सबसे पहले हमें विदेशों से प्राप्त निवल कारक आय (Net Factor Income from Abroad - NFIA) निकालनी होगी। इसका मतलब है, हमारे निवासियों ने विदेश में कितना कमाया और विदेशियों ने हमारे देश में कितना कमाया, इसका अंतर।

› NFIA = विदेशों से अर्जित आय - घरेलू अर्थव्यवस्था में विदेशियों द्वारा अर्जित आय

› NFIA = ₹200 करोड़ - ₹150 करोड़ = ₹50 करोड़

› अब हम GNP की गणना करेंगे। GNP = GDP + NFIA

› GNP = ₹1000 करोड़ + ₹50 करोड़

उत्तर – GNP = ₹1050 करोड़

उदाहरण 13. यदि किसी देश का सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) ₹10,000 करोड़ है, मूल्यह्रास ₹500 करोड़ है, अप्रत्यक्ष कर ₹800 करोड़ हैं और उपदान (Subsidies) ₹300 करोड़ हैं, तो निवल राष्ट्रीय उत्पाद (NNP) और राष्ट्रीय आय (NI) की गणना कीजिए।

› पहले NNP की गणना करेंगे। NNP निकालने के लिए हम GNP में से मूल्यह्रास को घटा देते हैं। So, NNP = GNP - Depreciation.

› NNP = ₹10,000 करोड़ - ₹500 करोड़ = ₹9,500 करोड़।

› अब हम NI की गणना करेंगे। इसके लिए पहले निवल अप्रत्यक्ष कर निकालना होगा। निवल अप्रत्यक्ष कर = अप्रत्यक्ष कर - उपदान। So, Net Indirect Tax = Indirect Tax - Subsidies.

› निवल अप्रत्यक्ष कर = ₹800 करोड़ - ₹300 करोड़ = ₹500 करोड़।

› अब NI निकालने के लिए हम NNP (बाजार कीमत पर) में से निवल अप्रत्यक्ष कर घटा देंगे। So, NI = NNP (at Market Price) - Net Indirect Tax.

› NI = ₹9,500 करोड़ - ₹500 करोड़ = ₹9,000 करोड़।

उत्तर – निवल राष्ट्रीय उत्पाद (NNP) = ₹9,500 करोड़ और राष्ट्रीय आय (NI) = ₹9,000 करोड़।

उदाहरण 14. मान लीजिए एक अर्थव्यवस्था में, राष्ट्रीय आय (NI) ₹10,000 करोड़ है। अवितरित लाभ ₹500 करोड़, निगम कर ₹300 करोड़, निवल ब्याज अदायगी (परिवारों द्वारा) ₹200 करोड़ और सरकार द्वारा परिवारों को अंतरण अदायगी ₹400 करोड़ है। वैयक्तिक कर अदायगी ₹600 करोड़ और गैर-कर अदायगी ₹100 करोड़ है। वैयक्तिक आय (PI) और वैयक्तिक प्रयोज्य आय (PDI) की गणना करें।

› पहले हम 'वैयक्तिक आय' (PI) निकालेंगे। इसका सूत्र है: PI = राष्ट्रीय आय - अवितरित लाभ - निगम कर - निवल ब्याज अदायगी (परिवारों द्वारा) + अंतरण अदायगी।

› अब हम मान रखेंगे: PI = 10,000 - 500 - 300 - 200 + 400।

› तो, PI = 10,000 - 1000 + 400 = ₹9,400 करोड़।

› अब हम 'वैयक्तिक प्रयोज्य आय' (PDI) निकालेंगे। इसका सूत्र है: PDI = वैयक्तिक आय - वैयक्तिक कर अदायगी - गैर-कर अदायगी।

› मान रखेंगे: PDI = 9,400 - 600 - 100।

› तो, PDI = 9,400 - 700 = ₹8,700 करोड़।

उत्तर – वैयक्तिक आय (PI) = ₹9,400 करोड़ और वैयक्तिक प्रयोज्य आय (PDI) = ₹8,700 करोड़।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह विषय राष्ट्रीय आय के लिए आधार बनाता है, इसलिए इन तीनों प्रकार की वस्तुओं के बीच का अंतर और उनके उदाहरणों को अच्छे से समझ लें। बोर्ड परीक्षा में सीधा सवाल आ सकता है कि 'पूंजीगत वस्तुएँ क्या हैं?' या 'उपभोग वस्तुओं और टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं में क्या अंतर है?'

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर 'एक नंबर' के प्रश्न में पूछी जाती है, जहाँ आपको स्टॉक और प्रवाह के उदाहरणों को पहचानना होता है।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर 'राष्ट्रीय आय की गणना' से संबंधित प्रश्नों में पूछी जाती है। सकल से निवल पर जाते समय या निवल से सकल पर जाते समय 'मूल्यह्रास' को जोड़ना या घटाना न भूलें। 'मूल्यह्रास' को 'पूंजी उपभोग भत्ता' (Consumption of Fixed Capital) भी कहते हैं, ये याद रखना।

• यह 'circular flow' का डायग्राम (चित्र) बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है। इसे अच्छे से समझना और बनाना सीख लेना।

• यह विषय 'Board Exams' के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर 'national income' की गणना पर आधारित 'numerical questions' पूछे जाते हैं, और इन तीनों वधियिों का 'conceptual understanding' भी पूछा जाता है। तीनों वधियिों के नाम और उनका 'basic concept' याद रखना।

• यह विधि बोर्ड परीक्षा में बहुत महत्वपूर्ण है, खासकर 'दुहरी गणना' से बचने वाला भाग। 'सकल मूल्यवर्धन' और 'निवल मूल्यवर्धन' में अंतर भी अक्सर पूछा जाता है।

• यह टॉपिक बोर्ड एग्जाम में 3-4 नंबर के प्रश्न के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर नियोजित और अनियोजित माल-सूची परिवर्तन में अंतर पूछ लिया जाता है, या फिर कोई न्यूमेरिकल देकर गणना करने को कहते हैं। तो इसके उदाहरणों को ध्यान से समझना और अभ्यास करना।

• यह विधि बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। GDP की गणना के न्यूमेरिकल प्रश्न अक्सर 'व्यय विधि' पर आधारित होते हैं, इसलिए इसके घटकों और सूत्र को अच्छे से समझना बहुत ज़रूरी है।

• GDP और GNP के बीच का संबंध और 'वदिशों से प्राप्त नविल कारक आय' की अवधारणा को अच्छे से समझ लें। बोर्ड परीक्षा में इनके बीच का अंतर और गणना अक्सर पूछी जाती है।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा में अक्सर गणना वाले प्रश्न या सीधे सूत्र पूछने के लिए आता है। formulae को अच्छे से याद रखना और निवल अप्रत्यक्ष कर की गणना में गलती मत करना।

• बोर्ड परीक्षा में, 'वैयक्तिक आय' और 'वैयक्तिक प्रयोज्य आय' के सूत्रों को ठीक से याद रखना और उन्हें दिए गए डेटा में सही जगह पर लगाना बहुत जरूरी है। कैलकुलेशन करते समय माइनस (+) और प्लस (-) का खास ध्यान रखना।

एक नज़र में रिवीज़न

› अंतिम वस्तुएँ = उपभोग वस्तुएँ (सीधा उपभोग) + पूंजीगत वस्तुएँ (उत्पादन सहायक) + टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएँ (टिकाऊ उपभोग)।

› स्टॉक: निश्चित समय पर; प्रवाह: निश्चित अवधि में मापी गई मात्रा

› सकल निवेश = कुल पूंजीगत व्यय; निवल निवेश = सकल निवेश - मूल्यह्रास (पूंजीगत टूट-फूट)

› सरल अर्थव्यवस्था में परिवार व फर्मों के बीच आय, वस्तुओं, सेवाओं का वर्तुल प्रवाह।

› राष्ट्रीय आय के तीन तरीके: उत्पाद, व्यय, आय; परिणाम हमेशा समान।

› अंतिम उत्पाद मूल्य = उत्पादन मूल्य - मध्यवर्ती वस्तु मूल्य (दोहरी गणना से बचाव)

› माल-सूची परिवर्तन: उत्पादन - बिक्री; नियोजित (योजनानुसार), अनियोजित (अप्रत्याशित बिक्री से)

› GDP = C + I + G + (X-M); अंतमि व्यय ही शामलि होते हैं।

› GDP: घरेलू सीमा में उत्पादति कुल मूल्य। GNP: नविासयिों द्वारा उत्पादति कुल मूल्य।

› NNP = GNP - मूल्यहरास; NI = NNP - नविल अप्रत्यक्ष कर

› PI = NI - अवि. लाभ - नगिम कर - नविल ब्याज + अंतरण; PDI = PI - वैयक्तकि कर - गैर-कर